

अवधनामा समाचार समूह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन

इमाम हुसैन द्वारा उसूलों के लिए दी गयी अपनी शहादत बड़ी बात है - राज्यपाल

**मानवाधिकार दिवस को सार्थक बनाने के लिए ऐसे कुष्ठ पीड़ितों के दुःख को दूर करने का संकल्प लें
-राज्यपाल**

लखनऊ: 10 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज अवधनामा समाचार पत्र समूह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर आयोजित 'हुसैन डे' में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इमाम हुसैन द्वारा उसूलों के लिए दी गयी अपनी शहादत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि अवधनामा ने मानवाधिकार दिवस को 'हुसैन डे' से जोड़कर जो कार्यक्रम रखना अभिनन्दनीय है। कार्यक्रम में इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आचार्य श्री श्री प्रमोद कृष्णम व पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री आरिफ मोहम्मद खान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अवधनामा के सम्पादक श्री वकार रिज़वी ने किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर मानवता की सेवा को समर्पित डा० मंसूर हसन, डा० मजहर हुसैन, श्री राकेश मित्तल अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी, यूनीसेफ की प्रतिनिधि सुश्री निलोफर, श्रीमती आराधना मिश्रा, डा० साबरा हबीब, वरिष्ठ पत्रकार श्री शरत प्रधान, प्र० शमीम निकहत, श्री आलिम नकवी, डा० असद अब्बास, हुसैनी ब्लड डोनर संस्था के कामिल रिजवी तथा हुसैनी चैनल के प्रतिनिधि श्री रफत आलम को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री नाईक ने कहा कि मानवाधिकार केवल कागज पर न रहे। तेरा मेरा विचार करने का कोई कारण नहीं है। छोटे दिल वाले तेरा और मेरा सोचते हैं मगर उदार चरित्र वाले पूरी दुनिया को परिवार मानते हैं। कुष्ठ रोगियों की सेवा वास्तव में बड़ी सेवा है तथा उनके जो मानवीय अधिकार हैं उनकी रक्षा होनी चाहिये। समाज में अज्ञान के कारण लोग कुष्ठ रोग को छूत का रोग समझते हैं जबकि विज्ञान की प्रगति ने यह सिद्ध कर दिया है कि कुष्ठ रोग का इलाज संभव है। ऐसे रोगियों को परिवार वाले भी अपने से दूर कर देते हैं जिससे सिवाय भीख मांगने के अलावा उनके लिए कोई रास्ता नहीं बचता है। उन्होंने कहा कि इससे मानवाधिकार का हनन होता है और विशेषकर कुष्ठ पीड़ितों के अधिकार का हनन होता है।

राज्यपाल ने कहा कि कुष्ठ पीड़ितों की समस्या को दूर करने के लिए आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। उनके सशक्तिकरण के लिए काम करने की जरूरत है तथा उनके साथ वैसा ही व्यवहार होना चाहिए जैसा एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के साथ करता है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार दिवस को सार्थक बनाने के लिए ऐसे कुष्ठ पीड़ितों के दुःख को दूर करने का संकल्प लें।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्र० शारिब रुदौलवी ने किया।

